THE INSTITUTE OF
Company Secretaries of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

प्रेस विज्ञप्ति

ब्यूरो चीफ 18 दिसंबर 2020

ICSI के राष्ट्रीय अधिवेशन में दूसरे दिन हुए गवर्नेंस को प्रोत्साहन देने वाले सत्र

इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के तीन दिवसीय नेशनल अधिवेशन में दूसरे दिन गवर्नेंस को प्रोत्साहन देने वाले तकनीकी सत्र का आयोजन हुआ। दूसरे दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमपी वित्तीय निगम की प्रबंध निदेशक आईएएस सुश्री स्मिता भारद्वाज, सीईओ, इंदौर स्मार्ट सिटी आईएएस सुश्री अदिति गर्ग एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री रोहन सक्सेना,और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों में सदस्यों को सम्बोधित किया। यह गुड गवर्नेंस के नियमों को फिर से लिखना" विषय पर एक पैनल चर्चा थी। इस सत्र में गुड़ गवर्नेंस को स्पष्ट करने में मदद की और कानून निर्माताओं, पेशेवरों और कॉर्पोरेट्स के बीच की खाई को पाटने के लिए नियमों और विनियमों की गतिशीलता की बात की।

"गवर्नेंस फ्रेमवर्क का विकास - एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" के सत्र में वैश्विक शासन ढांचे में प्रतिमान बदलाव के मद्देनजर पेशे के लिए चुनौतियों और संभावनाओं पर गहन चर्चा करने के लिए दुनिया भर के विभिन्न शासन संस्थानों के लीडर्स मौजूद थे।चूंकि जमीनी स्तर से लेकर वैश्विक स्तर तक शासन का कोई उल्लेख पंचायतों के बिना अधूरा है, इसलिए संस्थान ने ग्राम पंचायतों के लिए आदर्श शासन संहिता विकसित की है। पैनलिस्ट के रूप में युवा सितारें जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया हैं, ने पंचायतों पर एक विषयगत पैनल चर्चा में भाग लिया ।

भारतीय जनता पार्टी के आर्थिक मामलों के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ।CS। के पूर्व परिषद के सदस्य श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा "सशक्तीकरण सभी स्तरों पर निर्णय लेने में लोगों की भागीदारी से आता है और इसलिए वर्तमान पंचायत संरचना के लिए सत्ता का विकेंद्रीकरण बहुत महत्वपूर्ण है", ।

आईसीएसआई के अध्यक्ष सीएस आशीष गर्ग ने अधिवेशन के विषय पर जोर देते हुए कहा की सतत विकास जमीनी स्तर से लेकर वैश्विक स्तर तक शासन के समन्वय के लिए उत्प्रेरक है। फ्यूचरिस्टिक मॉडल शासन में नयी संभावना विकसित करने के लिए जरूरी है, जिससे की उसकी वैश्विक प्रासंगिकता हो सकें, इसी को ध्यान में रखते हुए ।CS। ने "नेशनल कन्वेंशन" के साथ नियामकों, उद्योग / राय नेताओं, पेशेवरों और शिक्षाविदों के बीच संवाद के लिए एक मंच बनाया है।

दूसरा दिन भारतीय प्राचीन ग्रंथ की खोज पर एक विशेष सत्र भविष्य का शासन पाठ"" के साथ समाप्त हुआ: भविष्य का शासन पाठ। पैनल कॉरपोरेट और आध्यात्मिक लीडर्स का एक दिलचस्प मिश्रण था, जो इस बात पर विचार-विमर्श करने के लिए था कि कॉर्पोरेट और पेशेवरों के लिए अपने सभी हितधारकों के लिए हित को संतुलित करने और वैल्यूज को अधिकतम करने के लिए प्राचीन समय की सीख कितनी महत्वपूर्ण है।

धन्यवाद ,

प्रीती कौशिक बनर्जी
निदेशक
कॉर्पोरेट संचार एवं अंतरराष्ट्रीय मामले का विभाग

The Institute of Company Secretaries of India
ICSI House, 22 Institutional Area, Lodi Road, New Delhi -110 003
Ph: 011-45341022
email: preeti.banerjee@icsi.edu